

## सह पाठ्यक्रम गतिविधि

एक सह पाठ्यक्रम गतिविधि को एक कार्यक्रम या कक्षा गतिविधि से बाहर, पर्यवेक्षण और / या विद्यालय द्वारा वित्तपोषित के रूप में परिभाषित किया गया है, जो पाठ्यक्रम - संबंधित शिक्षण और चरित्र निर्माण अनुभव प्रदान करता है। सह पाठ्यक्रम गतिविधियां स्वैच्छिक हैं।

सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का अर्थ है, शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रायोजित विद्यार्थियों के क्लबों, संघों और संगठनों द्वारा विद्यालय परिसर में संचालित या बंद गतिविधियाँ।

शिक्षकों के पास अपने संगठन के लिए कुछ निश्चित जिम्मेदारियां हैं; कई पूर्णकालिक पेशेवर शिक्षक कार्यरत हैं, स्कूल के कमरे, समय, उपकरण और सामग्री प्रदान की जाती है। नियमित पाठ्यक्रम गतिविधियों के साथ उनके संबंधों को महत्वपूर्ण माना जाता है; भागीदारी के लिए ऋण की अनुमति है और मान्यता भी दी गई है।

संक्षेप में, हम कह सकते हैं कि आधुनिक शिक्षा विचारकों के अनुसार, पाठ्यक्रम केवल कक्षा में शिक्षण और शिक्षण नहीं है। इसमें पुस्तकालय, प्रयोगशाला और कार्यशाला, खेल और खेल में खेल में भागीदारी और इन स्थानों में शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच कई अनौपचारिक संपर्क भी शामिल हैं।

## TEACHERS

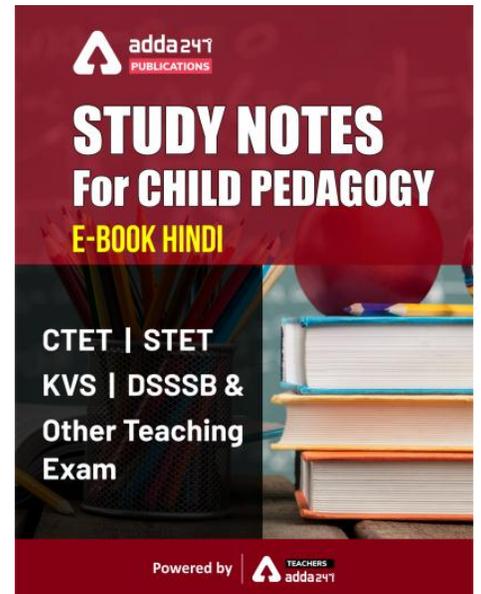
### (A) सह-पाठ्यक्रम के प्रकार

क्रियाएँ सह पाठ्यक्रम गतिविधियों को सात शीर्षकों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है;

1. साहित्यिक गतिविधियाँ जैसे पढ़ने की प्रतियोगिता
2. शारीरिक विकास गतिविधियाँ जैसे खेल और खेल।
3. एस्थेटिक एंड कल्चरल डेवलपमेंट एक्टिविटीज जैसे लोक नृत्य प्रतियोगिता, ऐतिहासिक यात्रा।
4. सिविक डेवलपमेंट एक्टिविटीज जैसे ग्रुप डिस्कशन, पब्लिक स्पीकिंग।
5. समाज कल्याण गतिविधियाँ समाज, सामुदायिक सेवाओं की सफाई करने वाले लोगों की मदद करती हैं।
6. अवकाश समय की गतिविधियाँ जैसे संगीत, रंगमंच।
7. भ्रमण गतिविधियाँ जैसे भ्रमण, पिकनिक।

### (B) सह-पाठ्यक्रम का महत्व

1. **शैक्षिक मूल्य** इन गतिविधियों में बड़ी शैक्षिक क्षमता है। सभी कक्षा शिक्षण सैद्धांतिक है, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जा सकता है। भ्रमण और पर्यटन इतिहास का पहला अनुभव प्रदान करते हैं और इतिहास, भूगोल, प्रकृति अध्ययन आदि विषयों में कक्षा के ज्ञान को सुदृढ़ करते हैं। भाषा और अभिव्यक्ति बहस और पाठ के माध्यम से बेहतर होती है। स्कूल पत्रिकाएं छात्रों को बलपूर्वक और प्रभावी ढंग से लिखने की कला सिखाती हैं। कार्यों का उत्सव छात्रों में संगठनात्मक क्षमता और नेतृत्व गुण विकसित करता है।



**2. मनोवैज्ञानिक मूल्य:** ये गतिविधियां व्यक्तिगत व्यवहार को व्यक्त करने में मदद करती हैं और रचनात्मक सोच के लिए एक वाहन प्रदान करती हैं। ये गतिविधियाँ वृत्ति के उच्चीकरण के लिए एजेंट की तरह काम करती हैं। सह-पाठ्यचर्या की गतिविधियां स्वस्थ और फलदायी चैनलों में छात्र की प्रवृत्ति को चैनल करने का एक साधन हैं उदा। जिज्ञासा की वृत्ति को लाइब्रेरी, स्टॉप और सिक्का संग्रह आदि द्वारा फलित रूप से चैनल किया जा सकता है।

**3. भावनात्मक स्वास्थ्य:** एक छात्र जन्मजात आग्रह या ड्राइव का एक बंडल है। उसके लिए जिज्ञासु होना, दिखावा करना, स्वामी होना, वफादार होना और सहानुभूति होना स्वाभाविक है। सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां मूल्यवान अवसर प्रदान करती हैं, जिसमें इन ड्राइवों को शैक्षिक लाभ के लिए पूंजीकृत किया जा सकता है।

**4. व्यक्तिगत अंतर की मान्यता:** सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की एक संख्या प्रदान करके, हम प्रत्येक व्यक्ति की संभावित क्षमताओं की अभिव्यक्ति सुनिश्चित कर सकते हैं। लेखन, सार्वजनिक, नाटकीय, चित्रकला, विभिन्न खेलों और खेल, कार्यों के संगठन आदि में बोलना और छात्रों के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं में प्रशिक्षण प्रदान करना। ये गतिविधियाँ छात्रों की योग्यता, रुचियों और क्षमताओं को पूरा करती हैं और कभी-कभी भविष्य के व्यवसाय की पसंद के लिए एक निर्धारित कारक के रूप में कार्य करती हैं।

**5. सामाजिक मूल्य का विकास:** सामाजिक सहयोग को नागरिकता की महत्वपूर्ण मांगों में से एक माना जाता है। समूह की गतिविधियों में भाग लेने से, छात्र अच्छे शिष्टाचार सीखते हैं और सहयोग की भावना विकसित करते हैं छात्र सामाजिक समूह के लिए एक व्यक्ति के संबंधों की सराहना करना सीखते हैं। टीम गतिविधियों के माध्यम से, छात्र सामाजिक सहयोग सीखते हैं। वे समूह भावना विकसित करते हैं, "हम" भावना, अपनेपन, एकता और सहकारी होने की क्षमता।

**6. नागरिक मूल्य का विकास:** समूह की गतिविधियों में, छात्र किसी का कर्तव्य करने का मूल्य सीखते हैं। उदाहरण के लिए, छात्रों की स्व-सरकार स्कूलों में एक फ्रेंचाइज़ी और ज़िम्मेदारियों को निभाने के लिए एक उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्रदान करती है। वे छात्रों में दूसरों के विचारों, विचारों के स्वस्थ आदान-प्रदान, साथी की भावना और विचारों, स्वस्थ विचारों के आदान-प्रदान की भावना का विकास करते हैं। साथी की भावना और अनुग्रह के साथ जीत और हार को स्वीकार करना। खेल के मैदान पर, छात्रों को पहल, निर्णय लेने, निर्णय लेने, सहनशीलता आदि जैसे नेतृत्व गुणों को विकसित करने के अवसर मिलते हैं। ये गुण एक लोकतांत्रिक समाज के लिए आवश्यक हैं।

**7. शारीरिक विकास मूल्य:** खेल और एथलेटिक्स सीधे छात्रों के शारीरिक विकास में योगदान करते हैं, अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां भी अप्रत्यक्ष रूप से इसमें योगदान करती हैं।

**8. मनोरंजन मूल्य:** विभिन्न गतिविधियों को प्रदान करने और व्यवस्थित करने से, हम अपने छात्रों को अवांछनीय गतिविधियों जैसे कि सिनेमा, टीवी, आइडल टॉक आदि में अपना खाली समय बिताने के लिए शानदार अवसर प्रदान करते हैं, माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विकसित शौक आजीवन आदत बन जाते हैं। इस तरह की गतिविधियाँ ड्रग्स जैसी हानिकारक गतिविधियों से भी छात्रों का ध्यान भटकाती हैं। अपराध आदि और उनकी गतिविधियों को फलदायी गतिविधियों में वर्गीकृत करते हैं।

**1. सांस्कृतिक मूल्य:** कुछ सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां जबरदस्त मूल्य की हैं, क्योंकि वे हमारी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं की बेहतर समझ के अवसर प्रदान करने में मदद करती हैं, जैसे कि नाटक, लोक गीत, नृत्य, लोक संगीत, विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों की प्रदर्शनी और उत्सव। और सामाजिक त्यौहार हमारी संस्कृति को बेहतर ज्ञान और समझ प्रदान करते हैं, सांस्कृतिक स्वाद को बढ़ाते हैं और छात्रों में सांस्कृतिक हितों को जागृत करते हैं।

Hindi



**KVS**  
& Other Govt.  
Teaching Exam

eBOOK

English Language | Hindi Language  
Reasoning | General Awareness

**2. प्रयोग:** एक अच्छा ईवीएस पाठ्यक्रम न केवल सिद्धांत और प्रयोगों दोनों के लिए संतुलित जोर देना चाहिए, बल्कि शिक्षण प्रक्रिया में ईवीएस के इन दो आवश्यक और पूरक पहलुओं को एकीकृत करता है। आधुनिक ईवीएस, प्रयोगों, टिप्पणियों और सैद्धांतिक निष्कर्ष के एक रचनात्मक परस्पर क्रिया का परिणाम है। ऐसे कई तरीके हैं, जिनमें प्रयोग विज्ञान की शिक्षा की सुविधा और सुधार करते हैं।

- प्रयोग छात्रों को विज्ञान के सही परिप्रेक्ष्य को विकसित करने में मदद करते हैं, अर्थात् विज्ञान केवल एक सैद्धांतिक अमूर्त नहीं है - यह हमारे चारों ओर की वास्तविक दुनिया के कामकाज का वर्णन करने का एक प्रयास है।
- विज्ञान में रुचि उत्पन्न करने के लिए प्रयोग सबसे प्रभावी तरीके हैं।
- प्रयोग विज्ञान के प्रक्रियात्मक और जोड़-तोड़ कौशल, अवलोकन कौशल करने के बुनियादी कौशल और दक्षताओं को बढ़ावा देते हैं। डेटा का प्रतिनिधित्व और व्याख्या करने और वैचारिक और महत्वपूर्ण क्षमताओं के साथ कौशल।

### (C) सह-पाठ्यक्रम की सीमाएँ

अतीत में कई प्रशंसनीय प्रयासों के बावजूद, हमारे स्कूलों में प्रयोगों को बड़े पैमाने पर हाशिए पर रखा गया है। दो सिद्धांत कठिनाई प्रतीत होते हैं। ये हैं

- प्रयोग के लिए एक निश्चित न्यूनतम अवसंरचना की आवश्यकता होती है, एक आवर्ती आधार पर कुछ बुनियादी उपकरणों और उपभोग्य सामग्रियों के साथ एक प्रयोगशाला।
- विज्ञान में व्यावहारिक कौशल का मूल्यांकन ध्वनि और वस्तुनिष्ठ तरीके से करना आसान काम नहीं है। यदि मूल्यांकन बड़े पैमाने पर किया जाना है तो कठिनाई कई गुना बढ़ जाती है। इस प्रकार, बुनियादी सुविधाओं की कमी और अधिक महत्वपूर्ण, विश्वसनीय मूल्यांकन की कमी के परिणामस्वरूप भारत के अधिकांश स्कूलों में प्रयोगात्मक कार्यों की दुर्भाग्यपूर्ण उपेक्षा हुई है।

### (2) व्यावहारिक कौशल की श्रेणियाँ

शिक्षण की प्रक्रिया में, व्यावहारिक कौशल सीखने का बहुत महत्व है। व्यावहारिक कौशल को निम्नलिखित प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है

#### I. प्रक्रियात्मक और हेरफेर कौशल

- प्रयोग करने के लिए उपयुक्त उपकरण / उपकरणों का चयन करें
- उनके आकार, कम से कम गिनती और सटीकता के बारे में तंत्र / उपकरणों की सीमाओं को जानें।
- व्यवस्थित / इकट्ठा / सेट और तंत्र को व्यवस्थित रूप से समायोजित करें।
- किसी भी क्षति या चोट से बचने के लिए उपकरण, उपकरणों, रसायनों को सावधानी से संभालें।
- उचित दक्षता और सटीकता के साथ प्रयोग करें।
- इसे नुकसान पहुँचाए बिना विस्तृत अध्ययन के लिए एक नमूने के वांछित भागों को अलग और हटा दें।
- नमूना बढ़ते के लिए उपयुक्त विधियों और सामग्रियों का उपयोग करें।
- तंत्र, यंत्र आदि में त्रुटियों का पता लगाना और उन्हें ठीक करना।
- उचित मात्रा में रसायन मिलाएं।
- प्रयोगात्मक सेट ध्यान से विघटित करें।
- संवेदनशील तंत्र या रसायनों या लौ को संभालने में सावधानियों का अभ्यास करें।



## II. अवलोकनात्मक कौशल

- उपकरण की सबसे कम संख्या ज्ञात कीजिए।
- उपकरण को सही ढंग से पढ़ें।
- रंग परिवर्तन, गैसों का विकास, अवक्षेपों का निर्माण, रासायनिक प्रतिक्रियाओं आदि को ध्यान से देखें।
- दिए गए नमूनों में संबंधित विवरणों को ध्यान से देखें।
- एक नमूने में वांछित भागों का सटीक पता लगाएँ।
- ध्यान से और व्यवस्थित तरीके से अवलोकन करें।
- ग्राफ और मानचित्र को सही ढंग से पढ़ें।

## III. ड्राइंग कौशल

- उचित अवलोकन टेबल बनाना।
- सर्किट आरेख, किरण आरेख, प्रयोगात्मक सेट अप, रेखाचित्र आदि को सही और आनुपातिक रूप से ड्रा करें।
- स्केच और आरेखों को सही ढंग से लेबल करना।
- आरेखित रेखांकन मानचित्रों को सही ढंग से देखे गए डेटा से।

IV. रिपोर्टिंग और व्याख्यात्मक कौशल व्यावहारिक कौशल छात्र को रिपोर्ट बनाने में उनकी व्याख्या करने और उनकी मदद करने में भी मदद करते हैं। ये निम्नलिखित तरीकों से मददगार हो सकते हैं

- टिप्पणियों को रिकॉर्ड करने के लिए एक उचित योजना बनाएं।
- टिप्पणियों / डेटा / सूचना को सही और व्यवस्थित रूप से रिकॉर्ड करें
- जीवों का वर्गीकरण और वर्गीकरण करें।
- सही गणना / पूर्वानुमान करें।
- परिणाम का सारांश और सारांश के उचित फॉर्मूले और मोड का उपयोग करें।
- सही प्रतीकों, इकाइयों, नियमों और रासायनिक समीकरणों का उपयोग करके परिणाम की रिपोर्ट करें।
- अवलोकनों और परिणामों की सही व्याख्या करें।

TEST SERIES  
Bilingual



**CTET  
PREMIUM**

90 TESTS | eBooks

12 Months Subscription

**TEACHERS  
TEST PACK**

Bilingual

TEST SERIES  
Bilingual



**UGC NET  
PAPER I**

15 Full-Length Mocks